अध्याय 1: सीखो

विषय-सूची 5 प्रश्नावली · 16 प्रश्न

प्रश्नावली 1.1	बातचीत के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 1.2	कविता की बात	3 प्रश्न
प्रश्नावली 1.3	कविता से आगे	3 प्रश्न
प्रश्नावली 1.4	भाषा की बात	4 प्रश्न
प्रश्नावली 1.5	बूझो तो जानें	2 प्रश्न

प्रश्नावली 1.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

आपको इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

उत्तर: नमूना उत्तर: चित्र में सूरज, पेड़, पहाड़, पक्षी, आम, फूल, नदी, पत्थर और बादल दिखाई दे रहे हैं।

प्रश्न 2

इनमें से कौन-सी वस्तुएँ आप प्रतिदिन देखते हैं?

उत्तर: हम प्रतिदिन सूरज, पक्षी, पत्थर, पेड़, फूल और बादल देखते हैं।

प्रश्न 3

उगते हुए सूरज को देखकर आपके मन में किस प्रकार के भाव आते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: उगते हुए सूरज को देखकर मन में शांति और नए दिन की शुरुआत के लिए उत्साह के भाव आते हैं।

प्रश्न 4

रंग-बिरंगे फूलों को देखकर आपको कैसा लगता है?

उत्तर: नमूना उत्तर: रंग-बिरंगे फूलों को देखकर मन खुशी से भर जाता है और चेहरे पर मुस्कान आ जाती है।

प्रश्नावली 1.2 — कविता की बात

प्रश्न 1

किससे क्या सीखें, मिलान कीजिए — हँसना | जीवन में सदैव आगे बढ़ना | जगना और जगाना | अँधेरा दूर करना | गीत गाना | शीश झुकाना

उत्तर: हँसना → फूल; गीत गाना → भँवरे; शीश झुकाना → तरु की झुकी डालियाँ; जगना और जगाना → सूरज; अँधेरा दूर करना → दीपक; जीवन में सदैव आगे बढ़ना → जलधारा।

प्रश्न 2

कविता में किससे सीखने की बात आपको सबसे अच्छी लगी? उसका चित्र बनाइए और नाम लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: मुझे सूरज से सीखने की बात सबसे अच्छी लगी। सूरज की तरह हमें भी दूसरों के जीवन में रोशनी लानी चाहिए। (अपनी पसंद का चित्र बनाकर नाम लिखें।)

प्रश्न 3

पढ़िए और बताइए कि यह भाव कविता की किस पंक्ति में आया है — (क) पेड़ों की झुकी डालियों से हमें यह सीखना है कि हमें हमेशा विनम्र रहना चाहिए। (ख) हवा के झोंकों से हमें सीखना है कि हम हमेशा कुछ-न-कुछ काम करते रहें। (ग) नदी-नहर से हमें सीखना है कि जीवन आगे बढ़ने का नाम है।

उत्तर: (क) तरु की झुकी डालियों से नित, सीखो शीश झुकाना। (ख) सीख हवा के झोंकों से लो, कोमल भाव बहाना। (ग) जलधारा से सीखो आगे, जीवन पथ में बढ़ना।

प्रश्नावली 1.3 — कविता से आगे

प्रश्न 1

सूरज से 'जगना और जगाना' सीखने की बात कही गई है। हम सूरज से और क्या-क्या सीख सकते हैं? कोई दो बातें लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: (क) सूरज से हम बिना स्वार्थ के दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाना सीख सकते हैं। (ख) सूरज से हमें यह भी सीखना चाहिए कि बिना थके अपने कर्तव्य नित्य करते रहना चाहिए।

प्रश्न 2

लता और पेड़ों से एक-दूसरे के साथ प्रेम और सद्भाव की बात सीखने के लिए कहा गया है। इनसे हम और क्या-क्या सीख सकते हैं? कोई दो बातें लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: (क) लता और पेड़ों से हम परोपकार की भावना सीख सकते हैं — जैसे वे सबको छाया और फल देते हैं। (ख) इनसे हम सबसे मिलकर और प्रेम से रहना सीख सकते हैं।

प्रश्न 3

हम सभी में कोई-न-कोई विशेषता अवश्य होती है। आप अपने सहपाठी की कौन-सी बात सीखना चाहते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं अपने सहपाठी से यह बात सीखना चाहता हूँ कि वह कक्षा में सबकी मदद करता है और मुश्किल समय में सबका साथ देता है।

प्रश्नावली 1.4 — भाषा की बात

प्रश्न 1

ऊपर दी गई सूची को ध्यान से पढ़िए। इनमें से कोई दो शब्द लेकर वाक्य बनाइए। (शब्द: तरु, शीश, पृथ्वी, हरना, पथ)

उत्तर: नमूना उत्तर: (क) पथ — कभी-कभी जीवन का पथ बहुत कठिन होता है। (ख) शीश — हम सब भगवान के चरणों में शीश झुकाते हैं।

प्रश्न 2

दूध और पानी से सीखो, मिलना और मिलाना। रेखांकित शब्दों के समान कुछ और शब्द बनाइए। (उदाहरण: हँसना और हँसाना; खाना और खिलाना)

उत्तर: नमूना उत्तर: रोना और रुलाना; सोना और सुलाना।

प्रश्न 3

'स' और 'प' वर्ण से प्रारंभ होने वाले शब्दों को कविता से खोजकर लिखिए।

उत्तर: 'स' से: सीखो, सूरज, सबको, सके, सेवा। 'प' से: पानी, पेड़ों, पृथ्वी, पथ, प्राणी।

प्रश्न 4

तालिका 'अ' तथा 'ब' में दिए गए शब्दों का उच्चारण कीजिए और इनमें अंतर पहचानिए। (तालिका अ: पड़ा, बड़ा, अड़ना, उड़ना, कड़ाई, लड़ाई | तालिका ब: पढ़ा, बढ़ा, बढ़ना, पढ़ना, कढ़ाई, चढ़ाई)

उत्तर: तालिका 'अ' में 'ड़' वर्ण है और तालिका 'ब' में 'ढ़' वर्ण है। 'ड़' और 'ढ़' के उच्चारण में अंतर होता है — 'ढ़' में महाप्राण ध्वनि है। छात्र स्वयं उच्चारण करके अंतर पहचानें।

प्रश्नावली 1.5 — बूझो तो जानें

प्रश्न 1

एक फूल, एक फल है भाई। दोनों मिलकर बने मिठाई।

उत्तर: गुलाब जामुन

प्रश्न 2

बिना बाल की पूँछ लिए वह भाग रहा है, सब सोते, वह रात-रात भर जाग रहा है। काट-काटकर कागज, कपड़े खुश होता है, और धरातल के नीचे घर में सोता है।

उत्तर: चूहा